www.railsamacharbureauald.com
सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

वर्ष-34 अंक-23-24 समाचार ब्यूरो प्रयागराज रेल 01-31 दिसम्बर 2024 (सयुक्तांक) पृष्ठ 12 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

प्रयागराज से जुड़ेगा पूरा भारतः महाकुम्भ 2025 के लिए रेल की विशेष तैयारियाँ, सेवा और संरक्षा का संगम

केंद्रीय रेल मंत्री ने महाकुम्भ -2025 की तैयारियों का किया अवलोकन

भारतीय रेल ने खर्च किए महाकुंभ तैयारियों के लिए 2 वर्षों में 5000 करोड़ रुपये से अधिक : अश्विनी वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ मेला हिंदू परंपरा में आध्यात्मिक और सामाजिक- सांस्कृतिक महत्व रखता है। 2025 में जनवरी और फरवरी के महीनों में प्रयागराज में इस अतुलनीय महाकुंभ मेले का आयोजन होगा। दुनिया भर से करोड़ों श्रद्धालु इस अवसर पर एकत्रित होंगे। भारतीय रेलवे, जो महाकुंभ के दौरान तीर्थयात्रियों की सेवा की एक लंबी परंपरा रखता है, इस बार भी युद्धस्तर पर तैयारियाँ कर रहा है। रेलवे तीर्थयात्रियों के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण परिवहन साधन है। महाकुंभ 2025 के लिए भारतीय रेल की व्यापक तैयारियों के तहत अब तक 5000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, और आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 8 दिसंबर को प्रयागराज क्षेत्र में तैयारियों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा इंतजाम, और कुंभ मेले के सुगम संचालन के लिए बनाए गए विशेष प्रबंधों का जायजा लिया।

प्रमुख निरीक्षण स्थल

- झूंसी स्टेशनः श्री वैष्णव ने झूंसी रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने गंगा नदी पर बने नए ब्रिज संख्या-111 का निरीक्षण किया, जो प्रयागराज-वाराणसी दोहरीकरण परियोजना के तहत बनाया गया है।
- फाफामऊ स्टेशनः पुनर्विकास योजना के तहत यहाँ चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।
- प्रयाग और प्रयागराज जंक्शनः यात्री सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों और अन्य तैयारियों का गहन निरीक्षण किया गया।

महाकुंभ के लिए रेलवे की विशेष तैयारियाँ

यात्री प्रबंधनः

- मेला अवधि में 13,000 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, जिसमें 3000 स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं।
- पिछले कुंभ के 7000 ट्रेनों की तुलना में इस बार दोगुनी ट्रेनों की व्यवस्था की जा रही है।
- छोटी दूरी के लिए मेमू ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

स्टेशन विकासः

- प्रयागराज जंक्शन पर यात्री आश्रय के तहत कलर कोडिंग व्यवस्था लागू की गई है। यात्री अपने निर्धारित प्लेटफॉर्म तक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पहुँचेंगे।
- होल्डिंग एरियाः 43 स्थायी होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।
- एकदिशीय यातायात प्रबंधन के लिए फुट ओवर ब्रिजों पर विशेष व्यवस्था की गई है।

सुरक्षा और आपातकालीन सेवाएँः

- रैपिड एक्शन टीम और क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात रहेंगी।
- सीसीटीवी कैमरों से लैस मेला टॉवर से भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति का प्रबंधन किया जाएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चरः

- गंगा नदी पर 100 वर्षों बाद नया पुल बनाया गया।
- प्रयागराज-वाराणसी और फाफामऊ-जंघई खंडों का दोहरीकरण कार्य पूरा हुआ।
- क्षेत्र में 21 रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज बनाए गए।

रेल मंत्री के निर्देश

- मेडिकल सेवाएँः जरूरत पड़ने पर बाहरी स्टाफ हायर कर बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।
- स्वच्छता और प्लास्टिक-फ्री मेलाः कुंभ क्षेत्र में सफाई और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयास तेज किए जाएंगे।
- अयोध्या, चित्रकूट और विंध्याचल के लिए ट्रेनेंः इन धार्मिक स्थलों के लिए भी विशेष ट्रेनों की योजना बनाई गई।

प्रेस वार्ता में श्री वैष्णव ने बताया कि 5000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रयागराज क्षेत्र में महाकुंभ की तैयारियों पर खर्च की जा चुकी है। उन्होंने यात्रियों की सुविधा, संरक्षा और समयबद्ध संचालन के लिए रेलवे की प्रतिबद्धता दोहराई। उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, और पूर्वोत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने जिला प्रशासन और रेलवे विभाग के बीच समन्वय पर जोर दिया। इस निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, और पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों के साथ रेलवे की जोनल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य श्री ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) और रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन का निरीक्षण किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने 05 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली और रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआईवी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ श्री सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) श्री नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा तथा रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे और आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। श्री वैष्णव ने घोषणा की कि व्यापक ट्रैक निगरानी के लिए सभी रेलवे जोनों में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य ट्रैक निरीक्षण और रखरखाव में सुधार के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाना है। माननीय मंत्री ने ट्रैक रखरखाव के लिए ट्रैकमेन और अन्य रेलकर्मियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीएमएस और आरसीआरआईवी के उपयोग से अब ट्रैकमैन के पास रियल टाइम डेटा तक पहुंच होगी, जिससे उनका काम आसान, सुरक्षित और अधिक कुशल हो जाएगा।

इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (ITMS)

इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (ITM) एक ऐसा सिस्टम है, जो ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (TRC) पर लगाया जाता है। यह 20-200 किमी/घंटे की गति सीमा में ट्रैक के पैरामीटर्स को रिकॉर्ड और मॉनिटर करने की क्षमता रखता है। ITM विभिन्न तकनीकों को जोड़कर रेलवे ट्रैक के पैरामीटर्स की मॉनिटरिंग और माप करता है, जिससे रेल संचालन सुरक्षित और कुशल बनता है।

इस सिस्टम में निम्नलिखित उपकरण शामिल हैं:

- बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर
- हाई-स्पीड कैमरे
- LIDAR
- IMU
- एनकोडर
- एक्सेलेरोमीटर
- GPS आदि।

यह सिस्टम इन उपकरणों से डेटा इकट्ठा करने, उसका विश्लेषण करने और प्रोसेस करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और एकीकृत सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। ITMS को भारतीय रेलवे के ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम (TMS) के साथ जोड़ा गया है, ताकि प्रत्येक ट्रैक रिकॉर्डिंग रन की रिपोर्ट TMS पोर्टल पर उपलब्ध हो। 2022-23 और 2023-24 के दौरान, भारतीय रेलवे पर 03 ITMS शुरू किए गए हैं। ये TRC, RDSO के 7 TRC के बेड़े का हिस्सा हैं, जो भारतीय रेलवे की ट्रैक लंबाई के 2.54 लाख किमी वार्षिक दायित्व के लिए अनिवार्य ट्रैक रिकॉर्डिंग के लिए आवश्यक हैं। यह सिस्टम P-way

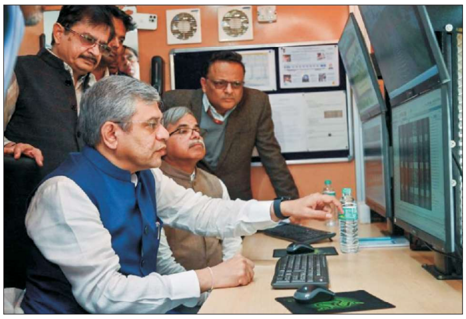

अधिकारियों के लिए बेहद सहायक है क्योंकि यह खराब जगहों की तत्काल ट्रैक देखभाल के लिए रियल टाइम अलर्ट SMS और ईमेल प्रदान करता है।

ITMS मुख्य रूप से निम्नलिखित सब-सिस्टम्स से बना है:

- **ट्रैक जियोमेट्री मापन प्रणाली** – यह बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर और हाई-स्पीड कैमरों की मदद से जड़त्वीय सिद्धांत का उपयोग करके गेज, कैंट, क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर संरेखण जैसे ट्रैक जियोमेट्री पैरामीटर्स का मापन करता है।

- **समग्र रेल प्रोफाइल और वियर मापन प्रणाली** – यह बिना संपर्क वाले लेजर सेंसर और हाई-स्पीड कैमरों की मदद से पूरे रेल प्रोफाइल और वियर का मापन करके रेल की स्थिति की निगरानी करता है।
- **ट्रैक कंपोनेंट कंडीशन मॉनिटरिंग** – यह वीडियो निरीक्षण के माध्यम से ट्रैक घटकों (जैसे रेल, स्लीपर, फास्टनिंग, बैलास्ट) में दोषों की पहचान करता है। यह लूजमिसिंग ट्रैक फिटिंग्स की पहचान के लिए लाइन स्कैन कैमरों और मशीन लर्निंग का उपयोग करता है।
- **एक्सेलेरेशन मापन** – एक्सेलेरोमीटर के माध्यम से एक्सल बॉक्स और कोच फ्लोर स्तरों पर एक्सेलेरेशन का मापन करता है, जिससे राइड क्वालिटी और खराब स्थानों की पहचान की जाती है।
- **रियर विंडो वीडियो रिकॉर्डिंग** – हाई-रिज ल्यूशन कैमरों की मदद से ट्रैक की स्थिति और आसपास के वातावरण की निगरानी करता है, जिससे ट्रैक डिफेक्ट्स और एसेट्स का संबंध स्थापित किया जा सके।
- **इनफ्रिंजमेंट मापन प्रणाली** – यह LIDAR तकनीक का उपयोग करके MMD/SOD एनवेलप की निगरानी करता है।

रेल-सह-रोड निरीक्षण वाहन (RCRIV)

रेल-सह-रोड निरीक्षण वाहन (RCRIV) को टाटा योद्धा मॉडल से संशोधित किया गया है, जिसमें पीछे की तरफ दो लोहे के पहिये (750 मिमी व्यास) और आगे की तरफ 2 लोहे के पहिये (250 मिमी व्यास) हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें 3 कैमरे हैं जो ट्रैक को रिकॉर्ड करेंगे, जिसका रिकॉर्डिंग बैकअप लगभग 15 दिनों का होगा।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट तैयार हो चुका है और इसका फील्ड परीक्षण जल्द ही किया जाएगा

भारतीय रेलवे के तेज और सुविधाजनक सफर में अब नई ताकत

सूत्र/रे.स.ब्यू- वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट का पहला प्रोटोटाइप मैन्युफैक्चर किया गया है और इसका फील्ड परीक्षण किया जाएगा। ट्रेन के रोलआउट होने की समय-सीमा परीक्षणों के सफल समापन पर निर्भर है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा के पटल पर रखे गए एक बयान में कहा कि वर्तमान में, लंबी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए योजना के अंतर्गत बनाई गई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें आधुनिक सुविधाओं और यात्री सुविधाओं के साथ सुसज्जित हैं। मध्यम दूरी की वंदे भारत ट्रेन सेवाओं के बारे में बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 02 दिसंबर, 2024 तक, चेयर कार की सुविधा से सुसज्जित कोच वाली 136 वंदे भारत ट्रेन भारतीय रेलवे नेटवर्क पर चल रही हैं। इनमें से 16 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं तमिलनाडु राज्य में स्थित स्टेशनों की आवश्यकता को पूरा कर रही हैं। सबसे लंबी दूरी की वंदे भारत ट्रेन सेवाएं दिल्ली और बनारस के बीच चल रही हैं, जो 771 किलोमीटर की दूरी तय करती है। उन्होंने आगे कहा कि वंदे भारत सेवाओं और इसके वेरिएंट सहित नई ट्रेन सेवाओं की शुरूआत, भारतीय रेलवे पर यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता, संसाधन उपलब्धता आदि के अधीन एक सतत प्रक्रिया है।

कवच से युक्त

- ईएन-45545 एचएल3 अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप ट्रेन
- क्रैशवर्थी और जर्क-फ्री सेमी परमानेंट कप्लर्स और एंटी क्लाइंबर्स
- ईएन मानकों का अनुपालन करने वाली कारबॉडी का क्रैशवर्थी डिजाइन
- ऊर्जा दक्षता के लिए दोबारा निर्माण करने वाली ब्रेकिंग प्रणाली
- मंदी और त्वरण के साथ उच्च औसत गति
- आपातकालीन स्थिति में यात्री और ट्रेन प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संचार के लिए आपातकालीन टॉक-बैक इकाई
- प्रत्येक छोर पर ड्राइविंग कोचों में यात्रियों के लिए प्रतिबंधित गतिशीलता (पीआरएम) वाले आवास और सुलभ शौचालय
- एक जगह से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे
- ऊपरी बर्थ पर चढ़ने में आसानी के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई सीढ़ी
- एयर कंडीशनिंग, सैलून लाइटिंग आदि जैसी यात्री सुविधाओं की बेहतर स्थिति की निगरानी के लिए केंद्रीकृत कोच निगरानी प्रणाली
- सभी कोचों में सीसीटीवी निगरानी कैमरे

समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अधिक पहुंच और सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु अनारक्षित यात्रियों के लिए यात्रा को बढ़ावा देने के लिए 12,000 सामान्य कोचः श्री अश्विनी वैष्णव

पेपर लीक नहीं: रेलवे ने 1.26 करोड़ उम्मीदवारों के लिए भर्ती का निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन सुनिश्चित किया, जो योग्यता-आधारित रोजगार के प्रति अपने समर्पण को रेखांकित करता है

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में रेलवे की विभिन्न पहलों और उपलब्धियों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यात्री सुविधाओं में सुधार, सुरक्षा बढ़ाने, संरचना उन्नति और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला।

गैर-एसी और एसी कोचों का संतुलन

मंत्री ने बताया कि रेलवे सामान्य और एसी कोचों के अनुपात में संतुलन बनाए रखते हुए समाज के सभी वर्गों की जरूरतों को पूरा कर रहा है। गैर-एसी कोचों की मांग को पूरा करने के लिए एक विशेष मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम चलाया जा रहा है:

12,000 कोच निर्माण का लक्ष्य:

900 कोच इस वित्तीय वर्ष में जोड़े जा चुके हैं। शेष 10,000 कोच निर्माणाधीन हैं।

यात्रियों के लिए समर्पित सुविधाएं:

वंदे भारत ट्रेनों की तरह उन्नत तकनीक वाली अमृत भारत ट्रेन श्रृंखला शुरू की गई है। 10 महीनों में शुरुआती बेड़े के सफल संचालन के बाद, 50 अतिरिक्त ट्रेनों के उत्पादन पर काम जारी है।

महाकुंभ 2025: रेलवे की तैयारियां

प्रयागराज में जनवरी-फरवरी 2025 में होने वाले महाकुंभ मेले के लिए रेलवे ने युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं।
- मुख्य स्नान दिनों में 13,000 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना।
- तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के लिए सभी प्रमुख रूट्स पर विशेष प्रबंधन।
- देश के कोने-कोने से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए कुशल और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता।

त्योहारों पर रेलवे की दक्षता

छठ और दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान रेलवे ने विशेष ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को बड़ी सुविधा प्रदान की।
- 7,900 विशेष ट्रेनें चलाकर 1.8 करोड़ यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया गया।
- बिना किसी बड़ी असुविधा के यात्रा, जो रेलवे की दक्षता को दर्शाता है।

सुरक्षा में सुधार और संरचना उन्नति

- बीते 10 वर्षों में 12,000 फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया गया।
- सभी मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग को 100: मानवयुक्त किया गया या फ्लाईओवर/अंडरपास के माध्यम से खत्म कर दिया गया।
- इन कदमों से ट्रेनों की परिचालन क्षमता और यात्री सुरक्षा में अभूतपूर्व सुधार हुआ है।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) की परीक्षाओं को पारदर्शिता और निष्पक्षता का आदर्श बताया गया।
- 1.26 करोड़ उम्मीदवारों ने 211 शहरों से परीक्षा में भाग लिया।
- किसी भी पेपर लीक की घटना के बिना, परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित हुई।
- 1,30,581 युवाओं को रोजगार मिला।

वार्षिक भर्ती कैलेंडर:

58,642 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। लोको पायलट चयन में 11 लाख उम्मीदवार भाग ले रहे हैं।

नमो भारत ट्रेन पहल

रेलवे ने नमो भारत ट्रेन शुरू की, जो शहरी क्षेत्रों में कम दूरी की यात्राओं के लिए डिजाइन की गई है।
- दो ट्रेनें पहले ही परिचालन में हैं।
- प्रदर्शन मूल्यांकन के बाद बड़े पैमाने पर उत्पादन की योजना।
- उद्देश्य: भारतीय यात्रियों को यूरोपीय मानकों के क्षेत्रीय ट्रेन अनुभव प्रदान करना।

श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास, यात्री सुविधाओं के उन्नयन और समाज के सभी वर्गों की सेवा में तत्पर है। उनके संबोधन ने रेलवे की प्रतिबद्धता और इसके दूरदर्शी दृष्टिकोण को स्पष्ट किया।

प्रयागराज (इरादतगंज)-मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी) निर्माण सहित तीन परियोजनाओं को मिली मंजूरी।

कनेक्टिविटी को बेहतर करने, यात्रा को आसान बनाना, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना, तेल आयात को कम करना और CO2 उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य से कैबिनेट ने भारतीय रेलवे की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी।

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने 26 नवंबर, 2024 को 7,927 करोड़ रुपये (लगभग) की कुल लागत वाली रेल मंत्रालय की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी, जिससे मुंबई और प्रयागराज के बीच सबसे व्यस्त खंडों पर बहुत जरूरी बुनियादी ढांचागत विकास होगा। ये परियोजनाएं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को "आत्मनिर्भर" बनाएगा, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। तीन राज्यों यानी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सात जिलों को कवर करने वाली तीन परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 639 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं दो आकांक्षी जिलों (खंडवा और चित्रकूट) तक कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी, जो लगभग 1,319 गांवों और लगभग 38 लाख आबादी को सेवा प्रदान करेंगी। प्रस्तावित परियोजनाओं से मुंबई-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन को सक्षम करके कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिससे नासिक (त्र्यंबकेश्वर), खंडवा (ओंकारेश्वर) और वाराणसी (काशी विश्वनाथ) में ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ प्रयागराज, चित्रकूट, गया और शिरडी में धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त, परियोजनाएँ खजुराहो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, अजंता और एलोरा गुफाएँ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, देवगिरी किला, असीरगढ़ किला, रीवा किला, यावल वन्यजीव अभयारण्य, केवटी जलप्रपात और पुरवा जलप्रपात आदि जैसे विभिन्न आकर्षणों तक बेहतर पहुँच के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देंगी। ये कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, इस्पात, सीमेंट, कंटेनर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 51 MTPA (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जिससे जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने में मदद मिलेगी, CO2 उत्सर्जन (271 करोड़ किलोग्राम) कम होगा जो 11 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

परियोजनाएँ :
- जलगांव - मनमाड चौथी लाइन (160 किमी)
- भुसावल - खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किमी)
- प्रयागराज (इरादतगंज) - मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी)

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल एक्सपो में आकर्षण का केंद्र रही रेलवे की प्रदर्शनी, माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने किया जयपुर स्टेशन के मॉडल का अवलोकन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा प्रताप नगर स्थित जेईसीसी में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल एक्सपो में लगाई गई प्रदर्शनी में राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर स्टेशन के प्रस्तावित पुनर्विकास के मॉडल का अवलोकन किया। माननीय मुख्यमंत्री ने जयपुर स्टेशन के प्रस्तावित पुनर्विकास के मॉडल को देखा। साथ ही वंदे भारत तथा विभिन्न इंजनों के मॉडल का अवलोकन किया और रेलवे की कार्यप्रणाली को समझा तथा रेलवे द्वारा किए गए प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। माननीय मुख्यमंत्री के साथ माननीय ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर जी एवं माननीय उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता, नीति निर्धारण राज्य मंत्री श्री कृष्ण कुमार विश्नोई ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण भी मौजूद रहे एवं उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री जी को राजस्थान में रेलवे द्वारा किए जा रहे इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों की जानकारी दी। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, माननीय उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना, प्रौद्योगिकी एवं संचार, युवा मामले और खेल, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता, सैनिक कल्याण मंत्री राजस्थान सरकार ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

महाकुंभ-2025 के दृष्टिगत सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर फ्लाइओवर निर्माण कार्य का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराजः जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने महाकुंभ-2025 के दृष्टिगत सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन स्थित फ्लाइओवर के निर्माण कार्य की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से कार्यों को सुव्यवस्थित ढंग से करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की प्रगति में तेजी लाई जाए और इसे गुणवत्तापूर्ण तरीके से समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि कार्यों की नियमित जांच की जाए ताकि गुणवत्ता में कोई कमी न हो। यह फ्लाइओवर निर्माण महाकुंभ मेले के आयोजन में सुविधा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की तैयारियों का निरीक्षणः विश्व स्तरीय आयोजन का लक्ष्य।

सूत्र/रे.स.ब्यू- 07 दिसम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, ''उत्तर प्रदेश पुलिस ने कुंभ 2019 को भव्यता और दिव्यता के साथ संपन्न कर नए मानक स्थापित किए थे। हमें इन मानकों को और ऊंचा करते हुए महाकुंभ 2025 को स्वच्छ, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और 'डिजिटल महाकुंभ' बनाने की दिशा में काम करना है।'' मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि महाकुंभ 2025 को न केवल धार्मिक रूप से बल्कि प्रशासनिक रूप से भी एक मॉडल आयोजन के रूप में प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा, ''महाकुंभ 2025 को विश्व स्तरीय आयोजन बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।''

महाकुंभ 2025 में इन बातों का रखा जाएगा ध्यानः

- **स्वच्छता और सफाईः** कुंभ क्षेत्र को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए विशेष सफाई अभियान चलाए जाएंगे।
- **सुरक्षा इंतजामः** सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां हाई-टेक उपकरणों, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन की मदद से 24 घंटे निगरानी रखेंगी।
- **डिजिटल सेवाएंः** श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए डिजिटल महाकुंभ की योजना लागू की जाएगी, जिसमें ऑनलाइन पंजीकरण, लाइव ट्रैकिंग और अन्य डिजिटल समाधान शामिल होंगे।
- **सुव्यवस्थित यातायात प्रबंधनः** श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने के लिए परिवहन और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। विशेष ट्रेनों, बसों और शटल सेवाओं की व्यवस्था की जाएगी।

''महाकुंभ 2025 में हर पहलू को एक संगठित और सुव्यवस्थित तरीके से लागू किया जाएगा ताकि यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक अद्वितीय और सुरक्षित अनुभव बन सके। उत्तर प्रदेश सरकार महाकुंभ 2025 को ऐतिहासिक बनाने के लिए अपने सभी प्रयासों को जोड़ रही है और इस आयोजन को दुनिया भर में एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। प्रयागराज जल्द ही दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन का गवाह बनेगा।

रेलवे का डिजिटल प्रयासः संरक्षा एप्लीकेशन से बढ़ेगी कर्मचारी दक्षता

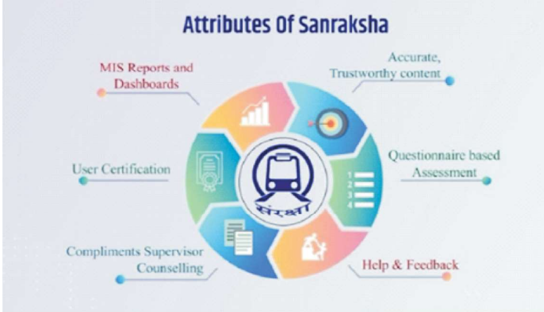

सूत्र/रे.स.ब्यू- 28 नवंबर 2024 को भारतीय रेल ने देशव्यापी संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च करके यात्री सुरक्षा में एक नया अध्याय जोड़ा। इस एप्लीकेशन का उद्देश्य रेल संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को नई तकनीकों और प्रशिक्षण से सशक्त बनाना है, जिससे रेलवे संचालन को और अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाया जा सके। रेलवे बोर्ड के सदस्य (परिचालन और व्यवसाय विकास) श्री रविंदर गोयल ने मंडल रेल प्रबंधकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस एप्लीकेशन का उद्घाटन किया। एप को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप सिंह ने डिजाइन किया है। यह एप, पहले नागपुर मंडल में पायलट प्रोजेक्ट के तहत लागू किया गया था, जहां इसे सुरक्षा सुधार में अत्यंत उपयोगी पाया गया। नागपुर मंडल की डीआरएम श्रीमती नमिता त्रिपाठी ने इसके प्रभावशाली परिणामों पर प्रकाश डाला। अब यह एप 16 मंडलों में लागू किया जाएगा। एप्लीकेशन उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स, और भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के समावेशन के माध्यम से कर्मचारियों को स्मार्ट लर्निंग और वास्तविक समय फीडबैक सिस्टम प्रदान करता है। यह एक बहुस्तरीय प्रणाली है जो प्रशिक्षण को प्रभावी और स्केलेबल बनाती है। रेलवे का यह कदम संरक्षा में सुधार और डिजिटलीकरण की दिशा में एक बड़ा प्रयास है, जिससे न केवल कर्मचारियों की क्षमता बढ़ेगी, बल्कि यात्रियों को भी सुरक्षित और विश्वसनीय सेवाएं मिलेंगी।

सरकार नौकरी, घर और कनेक्टिविटी के जरिए लोगों के जीवन में बदलाव ला रही हैः रेल राज्य मंत्री- श्री रवनीत सिंह बिट्टू

दस हजार घरों का निर्माण प्रतिदिन किया जा रहा है, पहले के 314 दिनों की तुलना में अब 114 दिन में पूरा हो रहा है

सूत्र/रे.स.ब्यू- सरकार नौकरी, घर और कनेक्टिविटी के जरिए लोगों के जीवन में बदलाव ला रही है। रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने संसद में पत्रकारों से बात करते हुए यह दावा किया। उन्होंने ग्रामीण विकास योजनाओं के अंतर्गत उल्लेखनीय प्रगति और वित्तीय आवंटन के बारे में बताया। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और ग्रामीण क्षेत्रों को बदलने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया।

निधि आवंटन और ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि मनरेगा सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है क्योंकि यह न केवल पैसा और रोजगार प्रदान करती है बल्कि लोगों को अपने घर से बाहर निकले बिना काम करने की अनुमति भी देती है। 2006-07 में इस योजना के लिए आवंटन 11,300 करोड़ रूपये था, जो अब बढ़कर 86,000 करोड़ रूपये हो गया है। इस योजना के अंतर्गत अब तक आवंटित कुल निधि 9,85,622 करोड़ रूपये है। यह लगभग 10 लाख करोड़ रूपये है। 2024 के लिए राज्यों को 46,907 करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं। पहले जॉब कार्ड प्राप्त करने की एक बोझिल प्रक्रिया थी। शुरुआत में लोगों को 22 रजिस्ट्री पूरी करनी पड़ती थी। हालांकि अब चीजें आसान हो गई हैं।

पीएम आवास योजना ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है

उन्होंने बताया कि पीएम आवास योजना ने पिछले 10 वर्षों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इसके अंतर्गत 3 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों का निर्माण किया गया है। यानी प्रतिदिन औसतन 10,000 घरों का निर्माण किया जा रहा है। यह योजना न केवल आवास प्रदान करती है, बल्कि रोजगार भी प्रदान करती है और प्रशिक्षण भी देती है। अब तक 3 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। पहले एक घर बनाने में 314 दिन लगते थे, लेकिन अब इसमें केवल 114 दिन लगते हैं। यह सब मोदी जी के विजन से संभव हुआ है।

पीएम ग्राम सड़क योजना

उन्होंने तीसरी महत्वपूर्ण योजना पीएम ग्राम सड़क योजना के बारे में बताया। इसके तहत बनाई गई सड़कें ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर हम कुल स्वीकृत सड़कों को देखें, तो यह 8,34,457 किलोमीटर है और अब तक कुल निर्मित सड़कें 7,69,178 किलोमीटर हैं। 9 जून 2024 से 2 दिसंबर 2024 तक 315 किलोमीटर सड़कें बनाई गई।

पूर्वोत्तर के गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ी

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर में यह सुनिश्चित किया की नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 100 से कम आबादी वाले गांवों और गैर-नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 250 से अधिक आबादी वाले गांवों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़कें बनाई जाएं।

बरेका को ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में यूपीनेडा ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024 में रेलवे वर्कशॉप सेक्टर में प्रथम स्थान प्राप्त

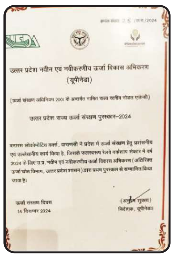

सूत्र/रे.स.ब्यू- बरेका ने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA) द्वारा रेलवे वर्कशॉप सेक्टर में ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह सम्मान बरेका की ऊर्जा संरक्षण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता और नवीन तकनीकों के प्रयोग का परिणाम है। सौर ऊर्जा, ऊर्जा कुशल उपकरणों और हरित ऊर्जा के उपयोग के साथ-साथ ऊर्जा खपत को कम करने के लिए विभिन्न नवाचारों को अपनाया गया है। बरेका के इस सम्मान से न केवल रेलवे बल्कि पूरे क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। बरेका परिवार इस उपलब्धि के लिए गर्व महसूस करता है और भविष्य में भी ऊर्जा संरक्षण के लक्ष्यों की दिशा में निरंतर कार्य करता रहेगा।

महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने उच्चस्तरीय बैठक कर निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा 09.12.2024 को मुख्यालय, हाजीपुर में एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में थर्मल प्लांट तक कोयला के निर्बाध परिवहन पर चर्चा की। तत्पश्चात महाप्रबंधक द्वारा इरकॉन, आरवीएनएल एवं राइट्स द्वारा पूरी की जा रही पूर्व मध्य रेल की विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार में तेजी लाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल में चल रही निर्माण परियोजनाओं एवं बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े कार्यों की नियमित एवं गहन मॉनिटरिंग का निर्देश दिया ताकि सभी निर्माण कार्य तय समय पर पूरा किए जा सकें।

महाकुंभ तैयारियों की समीक्षा में जुटे रेलवे के शीर्ष अधिकारी

अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने सूबेदारगंज स्टेशन का निरीक्षण किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 13-12-2024 को अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी/रेलवे बोर्ड, श्री सतीश कुमार ने महाकुंभ -2025 के दृष्टिगत प्रयागराज सूबेदारगंज स्टेशन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी एवं अन्य उच्च अधिकारी उनके साथ थे। अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी/रेलवे बोर्ड, श्री सतीश कुमार ने महाकुंभ-2025 के दृष्टिगत सूबेदारगंज स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन आश्रयस्थल, स्टेशन इंट्री, प्रकाश, पेयजल, खानपान, स्वच्छता, प्राथमिक चिकित्सा जैसी व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा और अधिकारियों से जानकारी ली। इसी क्रम में उन्होंने स्टेशन के दोनो तरफ लैंडस्केपिंग कर सौंदर्यीकरण कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने द्वितीय इंट्री पर आगमन प्रस्थान के मार्गों के विषय में जानकारी ली और कहा कि इसको शीघ्र और यात्रियों की सुविधा के अनुरूप करने के निर्देश किए। साथ ही उन्होंने कार्यों को समय से पूर्ण करने के लिए सख्त निर्देश दिए। स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश, टिकट काउंटर पर भेजना, यात्रियों को टिकट उपलब्ध करवाना, सही गाड़ी की जानकारी देना, भीड़ को नियंत्रित करना, यात्रियों के प्लेटफॉर्म पर पहुँचने पर उन्हें सुरक्षित रूप से गाड़ी के अंदर भेजना और गाड़ी में पर्याप्त यात्री हो जाने पर गाड़ी को प्रस्थान करवाने की योजना पर जानकारी ली और आवश्यक निर्देश भी दिए।

झूंसी रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे ने किया निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ 2025 को ध्यान में रखते हुए, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, सुश्री सौम्या माथुर ने 07 दिसम्बर, 2024 को झूसी रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान वे मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी और अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ उपस्थित थीं। महाप्रबंधक ने कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधारों की दिशा में निर्देश दिए, ताकि आगामी महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाया जा सके। इसके साथ ही, सुश्री माथुर ने बनारस-प्रयागराज रामबाग खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेल पटरियों, सुरक्षा व्यवस्था और सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। महाप्रबंधक ने बताया कि इस क्षेत्र में सभी आवश्यक सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है, ताकि महाकुंभ **2025** के दौरान यात्रियों को बेहतर सेवा और सुरक्षा मिल सके।

महानिदेशक/ रेलवे सुरक्षा बल ने महाकुंभ -2025 की तैयारियों की समीक्षा की

सूत्र/रे.स.ब्यू- महानिदेशक/रेलवे सुरक्षा बल, श्री मनोज यादव ने आगामी महाकुंभ -2025 के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा करने के लिए प्रयागराज मण्डल/उत्तर मध्य रेलवे का दौरा किया। महानिदेशक/ रेलवे सुरक्षा बल ने प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी, एवं सूबेदारगंज स्टेशनों का दौरा किया। इस अवसर पर महानिदेशक /रेलवे सुरक्षा बल ने नैनी- छिवकी में ''शहीद जगबीर सिंह आरपीएफ बैरक'' और सूबेदारगंज में ''शहीद ज्ञान चंद आरपीएफ बैरक'' का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक/ उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चंद्र जोशी उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, ए.एन. सिन्हा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों के आराम और दक्षता को बढ़ाने के लिए बैरक को अत्याधुनिक तरीके से डिजाइन किया गया है। नैनी-छिवकी में 60 बिस्तरों वाले बैरक का नाम शहीद जगबीर सिंह के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 2019 में चार बच्चों को बचाने के लिए दिल्ली के पास वीरतापूर्वक अपने जीवन का बलिदान दिया। सूबेदारगंज में 100 बिस्तरों वाले बैरक का नाम शहीद ज्ञान चंद के नाम पर रखा गया है जिन्होंने 2021 में भरवारी में एक महिला यात्री को संभावित दुर्घटना से बचाते समय अपनी जान गंवा दी थी। इन शहीदों के परिवार के सदस्यों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया और महानिदेशक/रेलवे सुरक्षा बल द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। महानिदेशक/रेलवे सुरक्षा बल ने कहा कि संगठन अपने बहादुर कर्मियों की विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्धता है। रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे सुरक्षा विशेष बल कर्मचारियों के आराम और सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए दोनों बैकों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इन बैरकों में एयर कंडीशनिंग, जिम, मनोरंजन कक्ष, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीजर, माइक्रोवेव ओवन, फ्लाई कैचर, जूता शाइनर, आटा मिक्सर, ब्लोअर और बिस्तरों के साथ व्यक्तिगत लॉकर जैसी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयीं हैं। इन सुविधाओं के साथ मनोबल बढ़ाने के लिए म्यूजिक सिस्टम के साथ कर्मचारियों के लिए सुखद परिवेश और वातावरण भी शामिल हैं।

महाकुंभ -2025 के लिए रेलवे की आपातकालीन प्रबंधन योजना

रैपिड एक्शन टीम:

- आईपीएफध्आरपीएफ-01 (टीम प्रभारी)
- कांस्टेबलध्आरपीएफ-06
- कांस्टेबलध जीआरपी-02
- डॉक्टर/चिकित्सा अधिकारी-01
- पैरा मेडिकल स्टाफ-02
- वाणिज्य निरीक्षक -01
- टिकट निरीक्षक -02
- कैरिज एवं वैगन स्टाफ-02
- मेकेनिकल (ओ-एफ)-02
- विद्युत/सामान्य स्टाप-01
- दूरसंचार स्टाफ -01
- पार्सल पोर्टर-02

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ -2025 में करोड़ों श्रद्धालु स्नान एवं दर्शन के लिए आते है। रेलवे यातायात का सुगम और सर्वसुलभ साधन है। महाकुंभ -2025 में रेलवे से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए रेलवे बड़े स्तर पर तैयारी कर रहा है। महाकुंभ-2025 के दौरान स्टेशनों पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए रेलवे द्वारा तैयारी कर ली गयी है। कर्मचारियों को आपात स्थित में एक दूसरे से समन्वय करते हुए कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी, सूबेदारगंज स्टेशनों एवं रेलवे परिसर के प्रमुख स्थानों पर सिविल डिफेंस के कर्मचारी भी तैनात रहेंगे जो श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे। संरक्षा विभाग द्वारा आपात स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन प्रबंधन योजना की बुकलेट भी तैयार की गई है। इसके अतिरिक्त क्विक रिस्पांस टीम, फायर फिटिंग टीम, स्पेशल वुमन स्क्वाड भी तैनात की जायेंगी। महाकुंभ-2025 के दौरान सभी टीमें 24X7 अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। महाकुंभ -2025 के दौरान प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी एवं नैनी स्टेशनों पर आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रयागराज मण्डल द्वारा आपातकालीन प्रबंधन योजना के अंतर्गत रेपिड एक्शन टीम (रैट) बनायी गयी है। स्टेशन पर आग लगने, भगदड़ होने, बम ब्लास्ट अफवाह, ट्रेन रन ओवर एवं ट्रेन दुर्घटनाओं जैसी घटनाओं से निपटने के लिए त्वरित रिस्पांस टीम एवं रेपिड एक्शन टीम कार्य करेंगी। रेपिड एक्शन टीम रेलवे सुरक्ष बल, चिकित्सा, वाणिज्य, यांत्रिक, विद्युत और दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों से मिलकर बनायी गयी है। प्रयागराज जंक्शन पर स्थापित किए गए मेल टॉवर से किसी अवांछित घटना की सूचना मिलने पर यह टीम एक्शन मोड में कार्य करेगी। महाकुंभ -2025 के दौरान रैपिड एक्शन टीमें मुख्य स्नानपर्वों पर एक दिन पूर्व से दो दिन बाद तक तैनात रहेगी। प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर आपात स्थति से निपटने के लिए सिविल लाइन साइड में फुट ओवर ब्रिज संख्या -3 के निकट एवं सिटी साइड में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट के निकट रैपिड एक्शन टीम तैनात रहेगी। इसी प्रकार प्रयागराज छिवकी एवं नैनी स्टेशनों पर एक-एक टीम तैनात रहेगी। रैपिड एक्शन टीम सभी प्रकार के आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित होगी एवं किसी प्रकार की घटना होने पर तत्काल घटना स्थल पर पहुँचकर त्वरित कार्यवाही कर यात्रियों की सहायता एवं सुरक्षा करेगी और जानमाल की क्षति को रोकेंगी। रैपिड एक्शन टीम में रेलवे के विभिन्न विभागों के 23 कर्मचारी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए 24X7 तैयार रहेंगी। रैपिड एक्शन टीम का नेतृत्व रेलवे सुरक्षा बल प्रभारी द्वारा किया जाएगा। रैपिड एक्शन टीम में रेलवे सुरक्षा बाल के 7 सदस्य, राजकीय रेलवे पुलिस के 2 सदस्य, चिकित्सा विभाग का **3** सदस्य, वाणिज्य विभाग का 5 सदस्य, मैकेनिकल विभाग का 4 सदस्य, विद्युत विभाग का **1** सदस्य, दूरसंचार विभाग का 1 सदस्य मिलकर कर करेंगे। रेपिड एक्शन टीम के सभी सदस्य फ्लोरोसेंट जैकेट पहनेंगे जिस पर 'रेपिड एक्शन टीम' लिखा होगा। रेलवे सुरक्षा बल के पास रस्सी, वॉकी-टॉकी, लाउडहेलर, सीयूजी फोन, डीईसीटी फोन, बॉडी कैमरा डिवाइस, फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी एवं स्ट्रेचर्स रहेगा। चिकित्सा टीम जीवन रक्षक दवाइयों और पैरामेडिकल सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित रहेगी। वाणिज्य टीम के सदस्य यूनिफार्म में सीयूजी फोन, वॉकी-टॉकी, पोर्टेबल माइक से सज्जित रहेंगे और रहेंगे। कैरेज एंड वैगन टीम हाईड्रेन्ट चाभी, यूनिवर्सल लॉक चाभी, एसीपी रेसेटिंग चाभी, सीबीसी हैंडल चाभी, वाटर हाईड्रेन्ट से आग बुझाने हेतु 30 मीटर लंबा पाइप से लैस रहेगी। मैकेनिकल (ओ-एफ) टीम अग्निशमन उपकरण-10 नग, बैटरी चालित बार कटर, पीठ पर लटकाने वाले वॉटरमिस्ट अग्निशमन यंत्र से लैस रहेगी। विद्युत विभाग के कर्मचारी आग लगने की स्थिति से निपटने के लिए आइसोलेशन स्विच टूल किट के साथ तैयार रहेंगे। दूरसंचार कर्मचारी वॉकी -टॉकी, मेगा माइक के साथ त्वरित कार्यवाही के लिए तैयार रहेंगे। सभी कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ त्वरित कार्यवाई के लिए निरंतर अभ्यास कर रहे हैं।

महाकुंभ हमारी आस्था, आध्यात्म और संस्कृति का दिव्य पर्व है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया भारतीय रेल की 1600 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण कियाद्य इसी क्रम में उन्होंने भारतीय रेल की 1600 करोड़ की अधिक की परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण किया। इसके तहत झूंसी-प्रयागराज लाइन के दोहरीकरण और विद्युतीकरण के साथ गंगा नदी पर बना रेल पुल राष्ट्र को समर्पित किया गया जिसकी लागत 850 करोड़ है। इस परियोजना से महाकुंभ के दौरान भक्तों की यात्रा को सुगम बनाने में सहायता होगी। इसके साथ प्रयागराज जंक्शन की इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग भी की गई। इससे ट्रेनों की आवाजाही और सुरक्षा दोनों बढ़ेगी। महानगरों तक क्षेत्र की कनेक्टिविटी और बढ़ जाएगी। इसी क्रम में सुगम आवागमन के लिए प्रयागराज के आसपास के इलाकों को भी विकास से जोड़ा गया है। करीब 415 करोड़ की लागत से जिले के विभिन्न स्थानों पर 7 रोड ओवर ब्रिज और 3 रोड अंडर ब्रिज राष्ट्र को समर्पित किए गए हैं। इससे लेवल क्रॉसिंग तो खत्म हुआ साथ ही सड़क और रेल दोनों का सफर और अधिक सुरक्षित हो गया है। कुंभ के दौरान करोड़ों भक्त बिना किसी रुकावट और परेशानी के आ जा सकेंगे। इसके अलावा करीब 226 करोड़ की लागत से प्रयागराज जंक्शन, नैनी, झूसी,सुबेदारगंज, प्रयागराज छिवकी, प्रयागराज रामबाग जैसे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए बनाई गई सुविधाओं को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया। ज्ञातहो कि, इन स्टेशनों पर यात्रियों के लिए वेटिंग रुम और सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए सीसीटीवी कैमरे और लाइटिंग, पानी और शौचालय आदि की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही प्रयागराज क्षेत्र में भी यात्रियों की सहूलियत के लिए सुविधाओं का विस्तार किया गया। इसी क्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा फाफामऊ, प्रयाग, नैनी, सूबेदारगंज, झूसी और प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन के रिडेवपलप्ड दूसरे प्रवेश द्वार को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इनसे यात्रियों का रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म तक पहुंचना और आसान हो सकेगा।

- झूसी-प्रयागराज दोहरीकरण और विद्युतीकरण जिसमें गंगा नदी पर महत्वपूर्ण पुल (वाराणसी-प्रयागराज दोहरीकरण का हिस्सा)
- महाकुंभ को समर्पित प्रयागराज क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर 7 रोड ओवर ब्रिज 375 करोड़ रुपये
- महाकुंभ को समर्पित प्रयागराज क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर 3 रोड अंडर ब्रिज- 40 करोड़ रुपये
- महाकुंभ को समर्पित प्रयागराज क्षेत्र में 07 विभिन्न स्थानों पर यात्री सुविधा कार्य- 226 करोड़ रुपये
- प्रयागराज जंक्शन की इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग 88 करोड़ रुपये
- फाफामऊ, प्रयाग, नैनी, सूबेदारगंज, झूसी, प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर द्वितीय प्रवेश द्वार का विकास कार्य 30 करोड़ रुपये

महाकूंभ 2025 तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए भारतीय रेल तैयार

दुनिया भर में करोड़ों हिंदुओं के लिए आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखने वाला महाकुंभ मेला 2025 जनवरी और फरवरी में प्रयागराज में आयोजित होगा। इस अद्वितीय और भव्य आयोजन में तीर्थयात्रियों की सेवा में भारतीय रेलवे अपनी परंपरा को जारी रखते हुए युद्धस्तर पर तैयारियाँ कर रहा है।

महाकुंभ में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे ने की ऐतिहासिक पहल

544 टिकटिंग प्वाइंट्स के साथ महाकुंभ मेला यात्रियों के लिए होगा सहज और सुरक्षित

महाकुंभ मेला 2024 को लेकर भारतीय रेलवे ने 9 प्रमुख स्टेशनों पर 544 टिकटिंग प्वाइंट्स स्थापित करने की घोषणा की है। इनमें अनारक्षित टिकट काउंटर (यूटीएस), आरक्षित टिकट काउंटर (पीआरएस), एटीवीएम, एमयूटीएस और पूछताछ काउंटर शामिल हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से रेलवे प्रत्येक दिन करीब 20 लाख यात्रियों को टिकट प्रदान करने की क्षमता रखेगा। प्रमुख स्टेशन जैसे प्रयागराज जंक्शन, रामबाग, नैनी, सूबेदारगंज, फाफामऊ और झूंसी पर ये टिकटिंग प्वाइंट्स यात्रियों के लिए एक नई राहत साबित होंगे।

रेलवे कर्मचारियों की जैकेट पर क्यूआर कोड: अब मोबाइल से भी मिलेगा जनरल टिकट

भारतीय रेलवे ने यात्रियों को टिकट प्राप्त करने का एक और आसान तरीका पेश किया है। अब रेलवे कर्मचारियों की जैकेट पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्कैन करके यात्री आसानी से अपने मोबाइल फोन से जनरल टिकट ले सकेंगे। यह पहल महाकुंभ मेला के दौरान खासतौर पर लागू की जाएगी, जिससे यात्रियों को लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा। यात्रियों को अपनी यात्रा के लिए जनरल टिकट प्राप्त करने के लिए अब किसी काउंटर पर जाने की आवश्यकता नहीं

सीसीटीवी निगरानी से होगी सुरक्षा मजबूत

महाकुंभ के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने 1186 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं। इन कैमरों में 116 एआई आधारित फेस रिकग्निशन सिस्टम से लैस हैं, जो शरारती और असामाजिक तत्वों की पहचान करने में मदद करेंगे। कैमरे हर स्टेशन पर निगरानी करेंगे, और इनकी लाइव फुटेज रेलवे के नियंत्रण कक्ष में मॉनिटर की जाएगी। इससे यात्रियों की सुरक्षा में और भी वृद्धि होगी।

"कुंभ सहायक" से महाकुम्भ 2025 की यात्रा होगी आसान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुम्भ 2025 के लिए बहुभाषीय AI-सक्षम चौटबॉट "कुंभ सहायक" लॉन्च किया है। यह चौटबॉट तीर्थयात्रियों के लिए एक व्यक्तिगत सहायक के रूप में काम करेगा, जो उनकी यात्रा को सरल और सुविधाजनक बनाएगा। इसके जरिए श्रद्धालु 11 भाषाओं में यात्रा, आवास, कुंभ के आकर्षण और टूर पैकेजों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। "कुंभ सहायक" WhatsApp पर +91-8887847135 पर 'नमस्ते' भेजकर, कुंभ मेला 2025 मोबाइल ऐप या कुंभ पोर्टल पर आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। यह चौटबॉट महाकुम्भ यात्रा को सुगम और यादगार बनाने के लिए तैयार है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा सुविधाओं का विशेष ध्यान

महाकुंभ मेला के दौरान रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए कई विशेष इंतजाम किए हैं। सभी नौ प्रमुख स्टेशनों पर एंबुलेंस की तैनाती की जाएगी, साथ ही प्राथमिक उपचार बूथ और रैपिड एक्शन टीमें बनाई जाएंगी। प्रयागराज जंक्शन पर एक मिनी अस्पताल भी स्थापित किया गया है, जिसमें छह बेड की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा, शहर के सभी स्टेशनों पर अग्निशमन यंत्र तैनात किए जाएंगे ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया हो सके।

आस्था और आधुनिकता का संगम: महाकुम्भ में अद्भुत ड्रोन शो

20 जनवरी और 5 फरवरी को महाकुम्भ मेले के विशाल मैदान में एक अद्वितीय ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा। इस शो में सैकड़ों ड्रोन आकाश में मनमोहक ओंतियाँ बनाकर दर्शकों को आश्चर्यचकित करेंगे। यह ड्रोन शो न केवल तकनीकी उन्नति का प्रतीक होगा, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर को भी एक नए रूप में प्रस्तुत करेगा। इस बार का महाकुम्भ मेला प्राचीन संस्कृति और आस्था का जीवंत उत्सव होगा, वहीं दूसरी ओर यह भारत की उभरती तकनीकी शक्ति का भी अद्वितीय प्रदर्शन करेगा। ड्रोन शो में विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चित्र बनाए जाएंगे, जो महाकुम्भ के महत्व को दर्शाएंगे। महाकुम्भ का यह संस्करण आस्था और आधुनिकता का संगम बनकर इतिहास में दर्ज होगा। यह तकनीकी और सांस्कृतिक मिलाजुला न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर के पर्यटकों और दर्शकों को आकर्षित करेगा।

महाकुंभ 2025: प्रयागराज में ई-रिक्शा और ई-ऑटो सेवा शुरू

महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं को बेहतर लोकल ट्रांसपोर्ट सुविधा प्रदान करने के लिए प्रयागराज में 15 दिसंबर 2024 से ऑनलाइन ई-रिक्शा और ई-ऑटो बुकिंग सेवा शुरू की जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के ग्रीन कुंभ 2025 दृष्टिकोण के तहत यह पहल पर्यावरण संरक्षण और यात्रियों को सुगम यात्रा अनुभव देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सेवा के तहत श्रद्धालु स्मार्टफोन ऐप के माध्यम से रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, हवाई अड्डा और होटलों से ई-रिक्शा और ई-ऑटो बुक कर सकेंगे। महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए पिंक टैक्सी सेवा शुरू की जा रही है, जिसे महिला चालक संचालित करेंगी। जीपीआरएस ट्रैकिंग की सुविधा के साथ वाहनों की रियल-टाइम निगरानी और शिकायत निवारण के लिए कॉल सेंटर की व्यवस्था की गई है। प्रारंभ में 300 ई-रिक्शा के साथ इस सेवा की शुरुआत होगी, जो पर्यावरण-अनुकूल यात्रा सुनिश्चित करते हुए श्रद्धालुओं को एक निर्बाध अनुभव प्रदान करेगी।

12 भाषाओं में अनाउंसमेंट: हर यात्री के लिए बेहतर सुविधा

महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 12 क्षेत्रीय भाषाओं में अनाउंसमेंट करने की व्यवस्था की है। इसमें हिंदी और अंग्रेजी के अलावा गुजराती, मराठी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, उड़िया, पंजाबी और अन्य भाषाओं में भी जानकारी दी जाएगी। यह अनाउंसमेंट न केवल रेलवे स्टेशनों पर, बल्कि यात्री आश्रय स्थलों, सरकुलेटिंग एरिया और स्टेशन के बाहर भी सुनाई देगा। इसके साथ ही रेलवे ने महाकुंभ मेला से जुड़ी एक पॉकेट बुकलेट भी तैयार की है, जिसमें प्रयागराज और उसके रेलवे स्टेशनों से संबंधित सारी जरूरी जानकारी दी गई है।

महाकुम्भ 2025: ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की मिसाल

महाकुम्भ 2025 महिला सशक्तिकरण का एक बड़ा उदाहरण बनेगा, जहां ग्रामीण महिलाएं अपनी उद्यमशीलता का प्रदर्शन करेंगी। आयोजन स्थल पर इन्हें कैफेटेरिया और कैंटीन के संचालन के लिए स्टॉल आवंटित किए गए हैं। महिलाएं यहां पौष्टिक श्री अन्न और गुड़ से बने उत्पादों की बिक्री भी करेंगी, जिससे न केवल उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पर्यावरण अनुकूल और स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल महिलाओं को नए अवसर प्रदान करने के साथ-साथ महाकुम्भ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक अनोखा अनुभव साबित होगी। महिला सशक्तिकरण के इस प्रयास को सभी वर्गों में सराहना मिल रही है।

टोल-फ्री नंबर और रिटर्न टिकट बुकिंग

महाकुंभ में आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-4199-139 जारी किया है। यह नंबर 1 नवंबर 2024 से सक्रिय हो चुका है, और इसके जरिए देशभर से यात्री महाकुंभ से जुड़ी रेलवे सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, यात्रियों को 15 दिन पहले रिटर्न जनरल टिकट बुक करने की सुविधा दी जाएगी। विशेष रूप से महाकुंभ मेला अवधि में, प्रयागराज जंक्शन, रामबाग, नैनी जंक्शन सहित 9 प्रमुख स्टेशनों पर रिटर्न टिकट बुकिंग की यह व्यवस्था 9 जनवरी से 28 फरवरी तक प्रभावी रहेगी।

महाकुम्भ 2025: श्रद्धालुओं के लिए 100 आश्रय स्थलों का निर्माण और सुविधाएं

महाकुम्भ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सरकार द्वारा 250 बिस्तरों की क्षमता वाले 100 आश्रय स्थलों का निर्माण किया जा रहा है। इन आश्रय स्थलों पर श्रद्धालुओं को उचित दरों पर रुकने की व्यवस्था उपलब्ध होगी, साथ ही शौचालय और स्नानघर की सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। इन प्रयासों का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को आरामदायक और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। महाकुम्भ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगमता के लिए विभिन्न तैयारियां जारी हैं। 13 जनवरी से शुरू होने वाले इस महाकुम्भ में लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आएंगे, और इस प्रकार की व्यवस्थाओं से उनकी यात्रा को अधिक आरामदायक और सुरक्षित बनाने की कोशिश की जा रही है। महाकुम्भ में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनें।

सुरक्षा पर विशेष ध्यान: 18,000 जवान तैनात

महाकुंभ मेला के दौरान रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 18,000 आरपीएफ और जीआरपी के जवानों की तैनाती की है। इनमें 8,000 आरपीएफ और 10,000 जीआरपी के जवान होंगे। इसके अलावा, रेलवे के 13,000 अधिकारी और कर्मचारी भी यहां तैनात किए जाएंगे। ये कर्मचारी यात्रियों को विभिन्न भाषाओं में सहायता प्रदान करेंगे, ताकि वे किसी भी कठिनाई का सामना न करें।

महाकुम्भ में रेल के माध्यम से आ रहे तीर्थयात्रियों के लिए कुछ विशेष सूचनाएं

महाकुंभ में रेल के माध्यम से आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल ने विशेष प्रबंध किए हैं, ताकि उन्हें किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए रेलवे ने विशेष निर्देश जारी किए हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन निर्देशों का पालन करें।

दिशावार स्टेशन

प्रयागराज शहर मे 9 रेलवे स्टेशन हैं जहाँ से विभिन्न दिशाओं के यात्री मुख्य स्नान दिवसों पर अपनी दिशा के अनुसार गाड़ी पकड़ सकते हैं।

जोन	रेलवे स्टेशन	दिशा की ओर
उत्तर मध्य रेलवे	प्रयागराज जंक्शन (PRYJ)	कानपुर (CNB) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU) सतना (STA) झांसी (VGLJ)
	नैनी जंक्शन (NYN)	सतना (STA) झांसी (VGLJ) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU)
	प्रयागराज छिक्की (PCOI)	सतना (STA) झांसी (VGLJ) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU)
	सूबेदारगंज (SFG)	कानपुर (CNB)
उत्तर रेलवे	प्रयागराज संगम (PYGS) (मुख्य स्नान दिवसों को छोड़कर)	अयोध्या (AY) जौनपुर (JNU) लखनऊ (LKO)
	प्रयागराज जंक्शन (PRG)	अयोध्या (AY) जौनपुर (JNU) लखनऊ (LKO)
	फाफामऊ जंक्शन (PFM)	
पूर्वोत्तर रेलवे	प्रयागराज रामबाग स्टेशन (PRRB)	वाराणसी (BSB) गोरखपुर (GKP) मऊ (MAU)
	झूंसी (JI)	

स्टेशनों पर यात्री आश्रयों की कलर कोर्डिंग (उत्तर मध्य रेलवे)

स्टेशन	गेट नं.	यात्री आश्रय नं.	कलर कोडिंग	दिशा (की ओर)
प्रयागराज जंक्शन	1	1	लाल	लखनऊ, वाराणसी
	2	2	नीला	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	3	3	पीला	मानिकपुर, सतना, झांसी
	4	4	हरा	कानपुर
	5	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
नैनी जंक्शन	1	1	हरा	कानपुर
	1	2	नीला	मानिकपुर, झांसी
	1	3	लाल	मानिकपुर, सतना
	2	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
	3	4बी	पीला	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	4	4ए	पीला	
प्रयागराज छिवकी	1ए	2	लाल	मानिकपुर, सतना, झांसी
	1बी	1	हरा	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	2	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
सुबेदारगंज	1	1		कानपुर
	3	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

- जेबकतरों से सावधान रहे।
- अपने सामान का ध्यान रखें।
- अपने आस-पास नज़र रखें और अगर आपको अपने आस-पास कोई लावरिस वस्तु दिखे तो ऑनबोर्ड स्टाफ, सुरक्षा कर्मचारियों और स्वयंसेवको को सूचित करें।
- अधिकृत आउंटर/कर्मियों से ही टिकट खरीदें।घबराएं नहीं।
- कतार में चले और अपने आगे के लोगों को धक्का देने से बचें।
- रेलवे स्टेशनों पर तैनात सुरक्षा/टिकट जांच कर्मचारियों और स्वंयसेवकों के मार्गदर्शन पालन करें।
- प्लेटफॉर्म और एफओवी पर न बैठे, उन्हे आवाजाही के लिए खुला रखे।
- गाड़ी के अंदर एवं स्अेशनों परिसर मे न थूके और न ही कूड़ा फैलाएं।

मुख्य स्नान पर्वों पर प्रतिवंध

कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और उनकी सुगम निकासी के लिए रेलवे स्टेशनों पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाएंगे। प्रतिबंध मुख्य स्नान दिवस के एक दिन पहले से मुख्य स्नान दिवस के दो दिन बाद तक लागू रहेगा।

मुख्य स्नान पर्व	दिनांक	प्रतिबंध अवधि
पौंष पूर्णिमा	13.01.2025	12.01.2025 (00:00)to 16.01.2025 (24:00)
मकर सक्रांति	14.01.2025	
मौनी अमावस्या	29.01.2025	28.01.2025 (00:00) to 31.01.2025 (24:00)
बसंत पंचमी	03.02.2025	02.02.2025 (00:00) to 05.02.2025 (24:00)
माघ पूर्णिमा	12.02.2025	11.02.2025 (00:00) to 14.02.2025 (24:00)
महाशिवरात्री	26.02.2025	25.02.2025 (00:00) to 28.02.2025 (24:00)

प्रतिबंध अवधि के दौरान

प्रयागराज जंक्शन

- प्रवेश केवल सिटी साइड (प्लेटफॉर्म नं.1 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल सिविल लाइंन साइड की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को सिटी साइड से गेट नंबर 5 के माध्यम से अलग से प्रवेश दिया जाएगा।

नैनी जंक्शन

- प्रवेश केवल स्टैशन रोड से दिया जाएगा।
- निकास केवल माल गोदाम की ओर (द्वितीय प्रवेश द्वार) से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-2 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

सुबेदारगंज स्टेशन

- प्रवेश केवल झलवा (कौशाम्बी रोड) की ओर से दिश जाएगा।
- निकास केवल जी.टी. रोड की ओर दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों के लिए यात्री आश्रय की व्यवस्था रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-3 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

प्रयाग जंक्शन

- प्रवेश केवल पैधम लाइल (प्लेटफॉर्म नं.1 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल रामप्रिया रोड (प्लेटफॉर्म नं. 4) की ओर से होगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

फाफामऊ जंक्शन

- प्रवेश केवल द्वितीय प्रवेश द्वार (प्लेटफॉर्म नं.4 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल फाफामऊ बाजार (प्लेटफॉर्म नं. 1) की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को साहसों रोड स्थित द्वितीय प्रवेश मार्ग से ही प्रवेश दिया जाएगा

प्रयागराज रामबाग स्टेशन

- प्रवेश केवल हनुमान मंदिर चौराहा की ओर से मुख्य प्रवेश द्वार से दिया जाएगा।
- निकास केवल लाउदर रोड की ओर दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

झूंसी स्टेशन

- प्रवेश और निकास की सुविधा स्टेशन के दोनों ओर से दी जाएगी।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

प्रयागराज छिवकी स्टेशन

- प्रवेश केवल प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग को जोड़ने वाले सीओडी मार्ग से दिया जाएगा।
- निकास केवल जी.ई.सी. नैनी रोड (प्रथम प्रवेश) की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावार यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-2 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

नोटः- प्रयागराज संगम स्टेशन मुख्य स्नान दिवसों पर (मुख्य स्नान दिवस के एक दिन पहले से दो दिन बाद तक) बंद रहेगा।

आईआरसीटीसी ने महाकुंभ 2025 के लिए प्रयागराज में महाकुंभ ग्राम, आईआरसीटीसी टेंट सिटी लॉन्च कीः एक अनूठा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव।

भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), भारत सरकार की अनुसूची 'ए' का मिनीरत्न पीएसयू और भारतीय रेलवे की यात्रा और पर्यटन शाखा, प्रयागराज में महाकुंभ ग्राम, आईआरसीटीसी टेंट सिटी विकसित करने की तैयारी कर रहा है, जो प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के साथ एक अनूठा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव होगा। श्री संजय कुमार जैन, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आईआरसीटीसी ने इस परियोजना को लेकर अनुभव और उत्साह प्रकट किया और कहा, "प्रयागराज में महाकुंभ ग्राम, आईआरसीटीसी टेंट सिटी तीर्थयात्रा और पर्यटन परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी अनुभव होगा, जिसमें लक्जरी आवास और एक सांस्कृतिक अनुभव होगा जो भारत की आध्यात्मिक विविधता के प्रतीक का प्रदर्शित करेगा। हमारा उद्देश्य सभी आगंतुकों के लिए एक सुलभ, आरामदायक और समृद्ध अनुभव प्रदान करना है"।

महाकुंभ ग्राम, आईआरसीटीसी टेंट सिटी प्रयागराज की मुख्य विशेषताएंः

- चौबीसों घंटे सुरक्षा, अग्निरोधी टेंट।
- आरामदायक डाइनिंग हॉल में मेहमानों के लिए बुफे कैटरिंग सेवाएँ।
- चौबीसों घंटे चिकित्सा सहायता।
- आकर्षण और स्नान क्षेत्रें के लिए शटल सेवा।
- आसान गतिशीलता के लिए पर्यावरण के अनुकूल बैटरी से चलने वाली गाड़ियाँ।
- प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों द्वारा दैनिक सांस्कृतिक प्रदर्शन और आध्यात्मिक प्रवचन।
- योग/स्पा/बाइकिंग की सुविधा।
- मेहमानों के लिए नदी के किनारे एक्जीक्यूटिव लाउंज जिसमें भोजनालय और वॉशरूम की सुविधा।
- चौबीसों घंटे स्वागत कक्ष।
- कोई छिपी हुई लागत नहीं

आईआरसीटीसी बड़े पैमाने पर तीर्थ पर्यटन में विशेषज्ञता, देश भर में रेल नेटवर्क पर व्यापक आतिथ्य सेवाएं और आस्था और भारत गौरव ट्रेनों पर अब तक 6.5 लाख से अधिक ग्राहकों को सफलतापूर्वक प्रबंधित करने के डोमेन अनुभव के साथ, आईआरसीटीसी कुंभ ग्राम को एक अद्वितीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गंतव्य बनाने के लिए विशिष्ट रूप से तैयार है। महाकुंभ ग्राम टेंट सिटी का सीधे बुकिंग के साथ-साथ आईआरसीटीसी पर्यटकों द्वारा रेल टूर पैकेज, भारत गौरव ट्रेन आदि का लाभ उठाकर संरक्षण किया जाएगा। आईआरसीटीसी के निदेशक (पर्यटन और विपणन) श्री राहुल हिमालियन ने कहा, "प्रयाग राज में महाकुंभ ग्राम टेंट सिटी मेहमानों के लिए उच्च स्तर की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस डीलक्स और प्रीमियम कैंप प्रदान करेगा, जो महाकुंभ 2025 के आध्यात्मिक माहौल के बीच एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करेगा।"

बुकिंग और संपर्क जानकारी

टैरिफ 6000/- रुपये से शुरू होता है, साथ ही प्रति व्यक्ति प्रति रात डबल ऑक्यूपेंसी पर लागू कर, जिसमें नाश्ता शामिल है। अर्ली बर्ड/ग्रुप डिस्काउंट भी ऑफर पर है। रद्दीकरण पर ग्रेडेड रिफंड। व्यापार पूछताछ भी आमंत्रित की जाती है। प्रयागराज में महाकुंभ ग्राम, आईआरसीटीसी टेंट सिटी के बारे में अधिक जानकारी के लिए और अपने प्रवास को बुक करने के लिए *www-irctctourism-com* पर जाएं या ग्राहक सहायता से *1800110139* पर संपर्क करें या मोबाइल नंबर *+91-8287930739* और *+91-8595931047* और *+91-8076025236* पर व्हाट्सएप (केवल संदेश) "महाकुंभ आईआरसीटीसी" के साथ संपर्क करें।

संपादकीय

महाकुंभ 2025: तीर्थयात्रियों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

महाकुंभ का आयोजन आध्यात्मिकता, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का अद्वितीय पर्व है। जनवरी-फरवरी 2025 में प्रयागराज में होने वाले इस महाकुंभ मेले में करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति की संभावना है। ऐसे में तीर्थयात्रियों के लिए अपनी यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना अनिवार्य है।

ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े साथ रखें

महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में कड़ाके की ठंड पड़ती है। तीर्थयात्रियों को चाहिए कि वे पर्याप्त गर्म कपड़े, जैसे ऊनी स्वेटर, जैकेट, मफलर, दस्ताने, और टोपी अपने साथ रखें। विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों के लिए ठंड से बचाव बेहद जरूरी है।

गंगा और स्वच्छता का ध्यान रखें

गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि आस्था का प्रतीक है। श्रद्धालुओं से निवेदन है कि गंगा को स्वच्छ बनाए रखें। पूजन सामग्री, प्लास्टिक, या अन्य कचरा गंगा में प्रवाहित न करें। कुंभ क्षेत्र में कचरा पात्रों का उपयोग करें और स्वच्छता बनाए रखें। स्वच्छता ही आध्यात्मिकता की पहली सीढ़ी है।

स्वास्थ्य का रखें ध्यान: दवाइयां साथ लाएं

यदि आप किसी विशेष दवा पर निर्भर हैं, तो उसे पर्याप्त मात्रा में अपने साथ रखें। ठंड और भीड़भाड़ के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं, इसलिए अपनी सामान्य दवाएं, थर्मल फ्लास्क, और प्राथमिक चिकित्सा किट साथ रखना आवश्यक है।

यात्रा की योजना पहले से बनाएं

महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन में भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है। इसलिए, अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं। रेलवे और बस की टिकट समय पर बुक करें। स्नान पर्व के दिनों में अनावश्यक भीड़ और हड़बड़ी से बचने के लिए सुबह जल्दी या रात के समय यात्रा करने का प्रयास करें।

आपातकालीन संपर्क जानकारी तैयार रखें

कुंभ मेले में लाखों श्रद्धालु आते हैं, जहां भीड़भाड़ के कारण परिवार के सदस्य अलग थलग ना हो ऐसी स्थिति से बचने के लिए मोबाइल चार्जर, पावर बैंक साथ रखें और परिवार के लिए एक निर्धारित मिलन स्थल तय करें। बच्चों और बुजुर्गों के लिए पहचान पत्र या उनके पास संपर्क नंबर वाला टैग अवश्य रखें।

महाकुंभ को आत्मानुभूति का अवसर बनाएं

महाकुंभ न केवल स्नान और पूजा का पर्व है, बल्कि आत्मचिंतन और समाज के साथ जुड़ने का अवसर भी है। अपनी यात्रा को अध्यात्मिकता, अनुशासन और सह-अस्तित्व की भावना के साथ पूरा करें। प्रयागराज का महाकुंभ हमारे देश की सांस्कृतिक धरोहर है। इसे एक जिम्मेदार श्रद्धालु की तरह मनाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनें।

नजीबाबाद स्टेशन पर लखनऊ-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस का नया स्टॉपेज: यात्रियों के लिए कई फायदे।

सूत्र/रे.स.ब्यू-रेलवे ने लखनऊ-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस के रूट में 10 दिसंबर, 2024 से नजीबाबाद स्टेशन पर नया स्टॉपेज जोड़ने का फैसला किया है। इस बदलाव से नजीबाबाद और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को कई लाभ होंगे। सबसे पहले, नजीबाबाद के यात्रियों को अब वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज और आधुनिक ट्रेन में यात्रा करने का मौका मिलेगा, जिससे उनका सफर अधिक आरामदायक और तेज होगा। वंदे भारत एक्सप्रेस लखनऊ और देहरादून के बीच लगभग 545 किमी की दूरी 8 घंटे 20 मिनट में तय करती है, जो इसे इस रूट की सबसे तेज ट्रेन बनाती है। नजीबाबाद में स्टॉपेज के बाद स्थानीय यात्रियों को अब बिना अधिक समय गंवाए अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। पहले, नजीबाबाद के यात्रियों को इस ट्रेन में यात्रा करने के लिए अन्य स्टेशन पर जाना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें नजीबाबाद में ही चढ़ने और उतरने का विकल्प मिलेगा, जो उनके लिए एक बड़ी सुविधा है। इसके अलावा, नजीबाबाद स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का स्टॉपेज इस क्षेत्र के यात्री यातायात और स्थानीय विकास को भी बढ़ावा देगा। इससे रेलवे और आसपास के क्षेत्रों में अधिक गतिविधियां उत्पन्न हो सकती हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद साबित होगा। इस कदम से नजीबाबाद और उसके आसपास के यात्रियों के लिए यात्रा का अनुभव और भी बेहतर हो जाएगा।

राष्ट्रीय आयुष मिशन-आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना, अब मरीजों को एक ही स्थान पर चिकित्सा प्रणालियों के लिए विकल्प चुनने में सुविधा होगी

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की शुरुआत 2014 में देशभर में आयुष स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और व्यापक बनाने के उद्देश्य से की गई थी। यह मिशन आयुष स्वास्थ्य देखभाल को जन-जन तक पहुंचाने और समग्र आरोग्य के मॉडल को स्थापित करने पर केंद्रित है। इसके तहत कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं:

आयुष सेवाओं का सुदृढ़ीकरण: प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जिला चिकित्सा केंद्र (डीएचसी) में आयुष सुविधाओं का सह-स्थापन किया गया है। इससे विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों के तहत मरीजों को एक ही छत के नीचे विकल्प उपलब्ध हो सके।

समग्र आरोग्य मॉडल की स्थापना: आयुष स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के माध्यम से निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे रोग का बोझ और उपचार पर होने वाले व्यक्तिगत खर्च को कम किया जा सके।

जनता के लिए सूचित विकल्प: आयुष सिद्धांतों और परिपाटियों पर आधारित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर स्वास्थ्य क्षेत्र में विविधता और बेहतर सेवाओं को प्रोत्साहित किया गया।

आयुष शिक्षा का उन्नयन: आयुष शिक्षण संस्थानों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

एनएचपी 2017 के अनुरूप आयुष की भूमिका: सार्वजनिक स्वास्थ्य में आयुष चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका को प्राथमिकता दी जा रही है।

सरकारी प्रयास और सहायता

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयुष डॉक्टरों और पैरामेडिक्स की नियुक्ति और प्रशिक्षण को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत बुनियादी ढांचे, उपकरण और दवाओं के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में लिखित उत्तर के माध्यम से इन सभी प्रयासों की जानकारी दी। यह मिशन न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बना रहा है, बल्कि देश के समग्र स्वास्थ्य क्षेत्र को एक नई दिशा भी दे रहा है।

आयुष चिकित्सा पद्धति के तहत इलाज कराने के लिए भारत आने वाले विदेशियों को मिलेगा आयुष वीजा

मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) के लिए भारत का आधिकारिक- ''वन-स्टॉप'' पोर्टल विकसित किया गया है, यह उन विदेशियों के लिए बनाया गया है जो भारत में इलाज कराने को इच्छुक हैं

सूत्र/रे.स.ब्यू- सरकार ने 27 जुलाई, 2023 को आयुष चिकित्सा पद्धति के उपचार का लाभ उठाने के लिए भारत आने वाले विदेशियों के लिए आयुष वीजा की एक अलग श्रेणी शुरू की है। आयुष वीजा चार उप-श्रेणियों के अंतर्गत उपलब्ध है, अर्थात (i) आयुष वीजा (एवाई-1), (ii) आयुष परिचारक वीजा (एवाई 2), (iii) ई-आयुष वीजा और (iv) ई-आयुष परिचारक वीजा। आयुष वीजा किसी ऐसे विदेशी को दिया जाता है जिसका एकमात्र उद्देश्य किसी संबंधित सरकारी प्राधिकरण (यों) या राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच)/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच)/राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) द्वारा मान्यता प्राप्त आयुष सेवाएँ प्रदान करने वाले अस्पतालों से मान्यता प्राप्त और पंजीकृत अस्पताल/वेलनेस सेंटर में चिकित्सीय देखभाल और वेलनेस जैसी आयुष प्रणालियों के माध्यम से उपचार प्राप्त करना है। दिनांक 04.12.2024 तक कुल 123 नियमित आयुष वीजा, 221 ई-आयुष वीजा और 17 ई-आयुष परिचारक वीजा जारी किए गए हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) के लिए भारत का एक आधिकारिक पोर्टल लॉन्च किया है, जो एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया पोर्टल है। यह एक ''वन-स्टॉप'' पोर्टल है, जो उन लोगों के लिए सूचना की सुविधा के लिए विकसित किया गया है जो विदेशों से भारत में चिकित्सा उपचार का लाभ उठाना चाहते हैं। भारत में चिकित्सा देखभाल या स्वास्थ्य सेवाओं की मांग करने वाला कोई भी अंतरराष्ट्रीय मरीज www-healinindia-gov-in पर लॉग इन करके एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया पोर्टल पर जा सकता है। सरकार का उद्देश्य आयुष सुविधा प्रदाताओं और एमवीटी में शामिल अन्य हितधारकों को संवेदनशील बनाना है। सरकार ने 30.09.2024 को मुंबई में आयुष मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिट 2024 का आयोजन किया, जिसका विषय था 'आयुष में वैश्विक तालमेल: मेडिकल वैल्यू ट्रैवल के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण में बदलाव', जिसका उद्देश्य पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों के साथ एकीकृत करके मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

अजमेर-चंडीगढ़-अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस रेलसेवा का किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर ठहराव।

सूत्र/रे.स.ब्यू- क्षेत्रीय रेलवे कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण विकास के रूप में, अजमेर-चंडीगढ़-अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस अब किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर भी रुकेगी। इस अवसर पर श्री भागीरथ चौधरी, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने किशनगढ़ रेलवे स्टेशन से ट्रेन संख्या 20978 चंडीगढ़-अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। किशनगढ़ में इस नए ठहराव से यात्रियों को सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। वंदे भारत एक्सप्रेस, जो अपनी तेज गति, आधुनिक सुविधाओं और आराम के लिए प्रसिद्ध है, अजमेर, चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के बीच यात्रा अनुभव को और बेहतर बनाएगी। यह कदम उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर मंडल द्वारा रेलवे ढांचे में सुधार और जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों का हिस्सा है। किशनगढ़ में वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव यात्री सेवा में वृद्धि करेगा और तेज तथा प्रभावी ट्रेन सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9621922592
फोन नं. 0532-2418040

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

Railway Minister Shri Ashwini Vaishnaw Leads Gati Shakti University Convocation with a Vision for India's Future

239 Students Graduate as University Aligns with Industry Giants like Airbus; PM Modi's Vision of a World-Class Institution Takes Shape in Vadodara.

Source/RSB - Shri Ashwini Vaishnaw, Railway Minister and Chancellor of Gati Shakti Vishwavidyalaya, graced the second convocation ceremony of the university in Vadodara on 30th November, 2024. Inspired by the vision of Prime Minister Shri Narendra Modi, the university awarded degrees to 239 students across various faculties, with four students receiving gold medals for academic excellence. In his address, Shri Vaishnaw highlighted the institution's critical role in shaping India's future transportation and logistics workforce. He praised the Prime Minister's leadership, noting the university's collaboration with industry giants like Airbus to design industry-aligned curricula. He also emphasized the operationalization of the Tata-Airbus plant in Vadodara, which will require 15,000 engineers, underscoring the synergy between academia and industry. Chief Minister Shri Bhupendra Patel encouraged graduates to contribute to the nation's development, aligning with the vision of a developed India by 2047. The event also featured insights from Dr. Hemang Joshi, MP and court member, and a progress report by Vice Chancellor Shri Manoj Chaudhary. Earlier, Shri Vaishnaw inspected advanced rail facilities in Gujarat, including the Bullet Train track slab manufacturing factory and Plasser India's Karjan plant. He commended the "Make in India" initiatives and emphasized Gati Shakti Vishwavidyalaya's role in creating skilled professionals for global opportunities.

ADDITIONAL MEMBER (TELE) RAILWAY BOARD INSPECTED ESPLANADE TO HOWRAH MAIDAN STRETCH OF GREEN LINE-2

Source/RSB - Shri Sameer Dikshit, Additional Member (Tele) Railway Board, inspected the Esplanade to Howrah Maidan stretch of Green Line-2 on 18.11.2024. Welcoming Additional Member (Tele) Railway Board, Shri Nilabhra Sengupta, CSTE/Project and other senior officers briefed him about different safety measures adopted in Metro Railway. Shri Dikshit started his footplate inspection from New Esplanade station to Howrah Maidan station in Motorman's Cab. He inspected the platform safety and emergency equipment installed like Motorman monitor and emergency telephone. He inspected the Signal Equipment Room, the Signalling System, remote monitoring and signalling, earthing of equipment and power distribution rack at Howrah Maidan station. He also inspected Telecom Equipment Room, Optical Fibre Rack, Gigabit Ethernet Rack, Closed Circuit Television (CCTV) Monitoring System and other telecom equipment as well as different passenger safety measures being followed in Metro Railway, Kolkata. After completing the inspection a return journey to New Esplanade Metro station in Motorman's Cab was undertaken.

Gati Shakti Vishwavidyalaya Holds First Court Meeting, Charts Path for Global Leadership

Revolutionizing Training for Future Leaders
With specialized programs for IRMS probationers and new courses in aviation, maritime, and defense logistics, GSV aims to redefine professional training & skill development.

"A University Shaping Tomorrow's Infrastructure Vision"
Emphasizing innovation, strategic partnerships, and an industry aligned curriculum, GSV is rapidly emerging as the benchmark in higher education for India and the global stage.

Source/RSB - Gati Shakti Vishwavidyalaya (GSV) convened its inaugural Court meeting at Rail Bhawan, New Delhi on 19 Nov, under the chairmanship of Union Minister for Railways, Information & Broadcasting, and Electronics & IT, Shri Ashwini Vaishnaw. Highlighting the university's transformative vision, Shri Vaishnaw stated, "GSV is poised to become India's and the world's best university, aligning with Prime Minister Shri Narendra Modi's vision. It will focus on industry-driven, employability-oriented programs for the transportation, logistics, and infrastructure sectors, including railways, aviation, marine engineering, highways, shipping, logistics, and defense." The Minister announced that all newly-recruited Indian Railway Management Service (IRMS) officers will undergo probationary training designed by GSV. This training will combine theoretical and practical experiences at Centralized Training Institutes (CTIs) and the industry, culminating in an MBA degree. Additionally, new courses in Bridge and Tunnel Engineering, Aviation Operations, Maritime Infrastructure, Highway Engineering, and Defense Logistics will soon be introduced. The event saw participation from prominent dignitaries, including Shri Satish Kumar, Chairman & CEO of the Railway Board, Shri V Uma Shankar, Secretary, Ministry of Road Transport and Highways, and Lt. Gen. N.R. Raja Subramani, Vice-Chief of Army Staff. Senior executives from industry giants such as Siemens India, Alstom India, and AMD India were also present, alongside representatives from ministries like Civil Aviation and Ports, Shipping, and Waterways. Founding Vice-Chancellor Prof. Manoj Choudhary presented an extensive progress report, showcasing GSV's remarkable strides since its establishment as a Central University in December 2022. Members commended the university's achievements, particularly its innovation-led, industry-driven approach. Several forward-looking suggestions were made, including introducing programs in artificial intelligence, green hydrogen, ports modernization, and affiliating national academies in the infrastructure sector. The meeting also approved GSV's Annual Reports and Accounts for submission to Parliament.

A Vision for Excellence

Gati Shakti Vishwavidyalaya, based in Vadodara, was established through an Act of Parliament in 2022. Sponsored by the Ministry of Railways, it is dedicated to creating a highly skilled workforce across transportation and logistics sectors. Leveraging the infrastructure of Indian Railways' Centralized Training Institutes, GSV offers multidisciplinary education, research, and executive training. Its strong focus on global industry collaboration and innovation positions it as a game-changer in higher education and professional training. With its emphasis on cutting-edge curriculum and strategic partnerships, GSV is set to redefine education and skill development in the infrastructure and logistics domains, creating a benchmark for excellence in India and beyond.

Shri S. S. Mishra Assumes Charge as GM of Rail Coach Factory, Kapurthala

Source/RCF & RSB - Shri S. S. Mishra took over as the General Manager of Rail Coach Factory (RCF), Kapurthala, on November 29, 2024. A distinguished officer from the 1988 batch of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers (IRSME), he holds postgraduate degrees in Mechanical Engineering and Management from IIT Chennai. In his introductory meeting with departmental heads, Sh. Mishra appreciated RCF's significant contribution to Indian Railways. Highlighting the factory's role in modernizing rail coaches, he remarked, "RCF has played a pivotal role in transforming Indian Railways by introducing new technologies in rail coaches." Under his leadership, RCF is expected to continue its innovation in rail technology and bolster its contribution to enhancing passenger experience and operational efficiency.

Ministry Of Railways Denies Fake News on ₹20,000 Crore Camera RFP: No Such Tender Issued

Source/RSB - The Ministry of Railways officially refuted the claims about the issuance of a ₹20,000 crore Request for Proposal (RFP) for the installation of cameras in train coaches. The Ministry took to X to clarify that no such tender has been issued by Ministry of Railways. The false claims had gained traction across multiple media platforms, including newspapers, social media accounts, and news websites. These reports misrepresented information and caused significant confusion among the public, as they went viral without verification from credible sources. This incident highlights a growing concern in the digital era, where fake news can spread rapidly, especially through social media, which has become a major source for misinformation. In the age of instant information, the spread of false news often leads to misunderstandings and unnecessary panic among the public.

Delhi to Kashmir in Style: Vande Bharat Express Likely to Begin in January 2025

Here's How It Will Benefit the Region

Source/RSB- Indian Railways is on track to revolutionize connectivity with the New Delhi-Srinagar Vande Bharat Express, expected to begin operations in January 2025. This ambitious project will connect India's capital directly with the Kashmir Valley, offering faster, more efficient travel and driving significant regional development.

Key Highlights of the Project

Direct Delhi-Kashmir Link:
For the first time, a high-speed train will provide direct connectivity between New Delhi and Srinagar, covering major destinations such as Udhampur and Baramulla. This will strengthen integration between the Valley and the rest of India.

Crossing the Chenab Bridge:
The train will pass over the Chenab Bridge, the world's tallest railway bridge at 359 meters. This engineering marvel is not only a symbol of India's infrastructure capabilities but also a major attraction for tourists.

State-of-the-Art Facilities:
The Vande Bharat train promises a world-class travel experience, equipped with advanced features, enhanced speed, and passenger comfort, ensuring a seamless journey through breathtaking terrains.

Key Benefits of the Vande Bharat Express

Economic Development:
- Boost to Local Trade: Easier transport will provide local businesses, artisans, and farmers access to broader markets across the country.
- Job Creation: Enhanced connectivity will increase tourism, generating employment in hospitality, transport, and allied sectors.

Tourism Growth:
Jammu and Kashmir's unparalleled beauty will become more accessible to domestic and international travelers. Iconic destinations like Srinagar, Gulmarg, and Baramulla are expected to witness a surge in visitor numbers.

Improved Safety and Accessibility:
High-speed connectivity ensures safer and faster travel, bringing remote areas closer to urban centers and reducing travel time drastically.

Strengthening National Unity:
This direct rail link embodies the government's commitment to integrating the Kashmir Valley with the rest of the nation, fostering a sense of unity and shared growth.

Strategic and Infrastructural Significance:
The project bolsters strategic connectivity for the region while showcasing India's advancements in railway technology and engineering.

A Visionary Step Forward

The New Delhi-Srinagar Vande Bharat, likely to be inaugurated by Prime Minister Narendra Modi, is a transformative project that underscores India's vision for modernization and inclusive growth. This rail route will not only enhance travel but also act as a catalyst for economic, social, and infrastructural development in the region.

Minister of State for Railways Reviews Redevelopment Plan for KSR Bengaluru Railway Station

Source/RSB- Sh. V. Somanna, Minister of State for Railways, reviewed the redevelopment proposal for KSR Bengaluru Railway Station in a meeting with senior officials from the Railway Land Development Authority (RLDA) and the Railway Board. The redevelopment project aims to transform KSR Bengaluru into a modern icon of the city, reflecting Bengaluru's global stature. The station will be equipped with state-of-the-art, passenger-friendly facilities and enhanced amenities to provide a world-class travel experience. Key features of the proposed redevelopment include upgraded waiting lounges, seamless ticketing systems, energy-efficient infrastructure, & improved accessibility for passengers, ensuring comfort and convenience for all.Sh. V. Somanna emphasized the importance of timely execution and ensuring the project aligns with the aspirations of Bengaluru's citizens. The plan reflects the government's commitment to enhancing urban connectivity while preserving the station's historical significance.Once completed, KSR Bengaluru Railway Station is expected to emerge as a landmark destination, further bolstering the city's reputation as a thriving metropolitan hub.

THE KAVACH INSTALLATION OVER SOUTH EASTERN RAILWAY IS PLANNED TO BE COMPLETED BY 2028

Source/SER- Safety is accorded the highest priority by Indian Railways, and all possible steps are being undertaken on a continuous basis to prevent train accidents. Indian Railways has indigenously developed an automatic train protection system—'Kavach' (Train Collision Avoidance System)—to prevent accidents caused by human error or equipment failures. It provides real-time information to train pilots, making it safer to run trains at higher speeds. The system can automatically apply brakes if the loco pilot fails to do so and also helps trains run safely during inclement weather. As far as South Eastern Railway's Kavach installation is concerned, the 688-kilometer HDN line (Howrah-Kharagpur-Bhadrak and Kharagpur-Tatanagar-Jharsuguda section) will open for tender on November 25, 2024. Work on the 1,556 KM HUN route has been approved for Kavach, with the deadline to invite tenders set for January 31, 2025. The remaining 515 KM of Kavach construction is approved under the Financial Year 2024–2025 umbrella project. The commissioning of Kavach over South Eastern Railway is tentatively planned for March 2028. A multidisciplinary team is needed to coordinate the various activities involved because Kavach installation is a major challenge requiring close coordination with the rolling stock branch due to the complexities of Indian Railways, including mixed traffic, speed differentials, and various types of locomotives, coaching, and wagon stocks. Despite these challenges, Indian Railways has planned to complete Kavach installation in an expedited manner. The latest version of Kavach has so far been installed on 1,548 RKM, with work underway for another 3,000 RKM. Moreover, bids have been invited for an additional 14,735 RKM. With the increasing demand for improved safety measures, Kavach is seen as a crucial addition to India's railway safety infrastructure.

Team Alstom Completes RDSO Trials for Indore Metro Project Ahead of Schedule

Source/RSB-In a significant achievement, TeamAlstom has successfully completed the RDSO trials for the Indore Metro project in just 8 days, 10 days ahead of the scheduled timeline. This swift completion highlights Alstom's unwavering commitment to excellence, along with their dedication to rigorous testing protocols. The trials, a crucial step in ensuring the safety and reliability of the metro system, were completed in record time, setting new industry benchmarks for efficiency. The success of these trials is a testament to the skill and expertise of the Team Alstom engineers and their strategic planning. By completing the tests ahead of schedule, Alstom not only demonstrated the effectiveness of their approach but also reinforced their role as a leader in the global metro rail industry. The Indore Metro project is expected to significantly enhance urban mobility, contributing to a sustainable and efficient transportation system for the city.

Railway Board Member Infrastructure Shri Naveen Gulati Visits RDSO

Source/RSB - Shri Naveen Gulati, Member Infrastructure, Railway Board, visited the Research Designs and Standards Organisation (RDSO) on November 21, 2024. During his visit, he reviewed the progress of Indian Railways' infrastructure projects and addressed the challenges associated with their implementation. A meeting was held on this occasion, where RDSO's Director General, Shri Uday Borwankar, addressed the officials present. He discussed key issues and priorities related to Indian Railways, emphasizing the importance of innovation and effective execution in ongoing projects. The visit focused on accelerating the development of infrastructure projects and resolving hurdles to ensure timely completion. Shri Gulati's interaction with RDSO officials aimed at fostering collaborative efforts to strengthen the operational efficiency and technological advancement of Indian Railways.

Delhi Metro and NCRTC Launch Integrated QR Ticketing System for Seamless Travel

Source/RSB- Delhi Metro and the NCR Transport Corporation (NCRTC) launched an integrated QR-ticketing system on Monday, allowing passengers to book tickets for both transport networks through their respective mobile applications. The announcement was made by NCRTC MD Shalabh Goel and DMRC MD Vikas Kumar. The new system enables commuters to purchase Delhi Metro QR tickets via the RRTS Connect app and Namo Bharat QR tickets through the DMRC Momentum 2.0 app. This integration facilitates seamless travel between the Delhi Metro and RRTS systems, simplifying ticketing and enhancing the overall commuter experience. This initiative aligns with the government's One India-One Ticket program, designed to streamline inter-modal travel for passengers. By consolidating metro and RRTS travel options into a single digital platform, the system reduces queues at stations and encourages digital payments, contributing to cleaner, environmentally friendly travel. The launch builds on an earlier MoU between

NCRTC and IRCTC, enabling passengers to book Namo Bharat train tickets alongside Indian Railway tickets via the IRCTC platform. With the 42-kilometer RRTS corridor now connected to the 393-kilometer DMRC metro network, this integration will ease congestion and offer a more sustainable and efficient travel experience for commuters in the region.

Shri Hitendra Malhotra Appointed Member (Operations & Business Development), Railway Board

Source/RSB -Shri Hitendra Malhotra, a veteran IRSEE officer from the 1987 batch, has been appointed as Member (Operations & Business Development), Railway Board. With over 35 years of service in Indian Railways, he has held significant roles, including General Manager of Chittaranjan Locomotive Works, Divisional Railway Manager (DRM) at Solapur, and Chief General Manager (Rolling Stock) at DMRC. Shri Malhotra's extensive experience spans key areas such as rolling stock management, operations, and maintenance. He has been instrumental in driving improvements at RDSO for self-generating coaches and has led critical projects across vari-ous divisions. An IIT Roorkee graduate, Shri Malhotra further enhanced his strategic leadership skills through training at the National Defence College. The CONCOR team, led by CMD Shri Sanjay Swarup, congratulated Shri Hitendra Malhotra, IRMS, on his appointment as Member (Operations & Business Development), Railway Board, and Ex-Officio Secretary to the Government of India. His appointment is expected to accelerate Indian Railways' modernization efforts, driving operational excellence, enhancing business growth, and shaping the future of railway infrastructure.

IRCON Achieves Major Milestone in Katni Grade Separator Project

Source/RSB -IRCON, executing the Katni Grade Separator project, has successfully completed a significant milestone. On 10th December 2024, the company launched a 76.20-meter-long open web girder (328 MT) along with a 49-meter-long launching nose (82 MT) over the existing railway track, all within a meticulously planned 4-hour block. The successful launch of the main open web girder span, including the cantilever nose, was completed in just 2.30 hours with exceptional precision and safety. With this achievement, IRCON has now completed the launch of 254 girders in the UP grade separator section, leaving only 6 girder launches remaining for the final completion of the viaduct.

Kalpataru Projects International Bags Orders Worth Rs 2,174 Crore

Source/RSB - Kalpataru Projects International Ltd (KPIL), along with its international subsidiaries, has secured new orders totaling Rs 2,174 crore. The company has been awarded a significant contract for the design and construction of an elevated metro rail project in India, as per a statement from KPIL. In addition to this, KPIL has also secured orders in the Transmission & Distribution (T&D) business both in India and international markets. The company has further expanded its portfolio with residential building projects within the country, the statement added. Manish Mohnot, MD & CEO of KPIL, said, "The orders in the T&D business have further strengthened our order book in India and international markets, reflecting robust demand for T&D projects globally."

RailTel Corporation of India Ltd. Receives Rs. 13.34 Crore Order for 4G LTE-R Project

Source/RSB -RailTel Corporation of India Ltd. has secured a significant order valued at Rs. 13.34 crore from South Central Railways. The order is for the provision of EPC Core Infrastructure for the implementation of 4G LTE-R (Long Term Evolution for Railways) across 523 Route Kilometers (RKM) in the Secunderabad Division.This project aims to significantly enhance the communication systems within the region, ensuring seamless connectivity for railway operations. The work is scheduled for completion by December 2027, marking a major step towards modernizing Indian Railways' communication infrastructure and improving operational efficiency.

IRFC Marks 38th Annual Day with Grand Celebration in New Delhi

Source/RSB -The Indian Railway Finance Corporation (IRFC) celebrated its 38th Annual Day on December 12, 2024, at the India International Centre, New Delhi. The event witnessed the gracious presence of Shri Manoj Dubey, Chairman and Managing Director of IRFC, along with other senior officials and dignitaries. The celebration highlighted IRFC's remarkable journey in financing and supporting Indian Railways' modernization and infrastructure growth. CMD Shri Dubey lauded the organization's efforts and reiterated its vision for sustainable development and innovation in rail infrastructure financing. This milestone reflects IRFC's pivotal role in empowering Indian Railways and contributing to the nation's progress.

Scan the Code for the Latest Verified

RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER

हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें

SCAN QR

www.railsamacharbureauald.com

MoSR Sh. Ravneet Singh Bittu Enhances Rail Network with Key Inspections and Project Launches

Jalandhar Cantt Railway Station Redevelopment

Sh. Ravneet Singh Bittu, Minister of State for Railways, visited Jalandhar Cantt Railway Station, where redevelopment work is underway with a budget of ₹99 crore. Accompanied by Jalandhar's BJP leadership, Sh. Bittu directed railway officials to ensure the project is completed within the set time frame, without compromising on quality, aiming to enhance passenger amenities and overall station infrastructure.

Siddharthnagar's New RUB to Improve Safety and Connectivity

MoSR Ravneet Singh Bittu laid the foundation for the Railway Under Bridge (RUB) No. 58 in Siddharthnagar, set to alleviate traffic and enhance safety. The inauguration was attended by key dignitaries, including MP Sh. Jagdambika Pal and MLAs Sh. Shyam Dhani Rahi and Sh. Vinay Verma. The project will streamline the region's road-rail coordination, benefiting local residents.

Anji Khad Bridge Set to Transform J&K's Connectivity

In Jammu & Kashmir, Sh. Bittu reviewed the progress of the Anji Khad Bridge, India's first cable-stayed bridge. The bridge is a key segment of the Udhampur-Srinagar-Baramulla Rail Link (USBRL) project, offering improved regional connectivity. It is poised to become a major economic and tourism booster for the region.

Chenab Bridge: World's Highest Railway Bridge Visit

During his visit to the Chenab Bridge, Sh. Bittu commended the engineering feats that led to the completion of this world-record-breaking infrastructure. A vital component of the USBRL project, the bridge is expected to transform connectivity, tourism, and economic development in the region. Through these strategic inspections and launches, MoSR Ravneet Singh Bittu is accelerating the pace of rail infrastructure development, reinforcing the government's commitment to modernizing India's transport network.

Kernex Microsystems Bags ₹2,041 Crore Kavach Installation Contract

Source/RSB - Kernex Microsystems has secured a significant contract worth ₹2,041 crore from Chittaranjan Locomotive Works (CLW) for the installation of 2,500 onboard Kavach safety systems. The project entails the supply, installation, testing, and commissioning of these advanced anti-collision systems, aiming to enhance railway safety. Completion is slated for the end of 2025. With a legacy in railway safety systems since 1999, Kernex Microsystems has been a pioneer in developing anti-collision devices (ACDs) and other safety technologies for Indian Railways. The Kavach project further cements its commitment to innovation in rail safety.

महाकुम्भ 2025
के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुंभ मेला-2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

(1) गाड़ी सं. 08251/08252 (रायगढ़-वाराणसी-रायगढ़) विशेष रेलगाड़ी

08251 रायगढ़-वाराणसी		स्टेशन	08252 वाराणसी-रायगढ़	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	14:00	रायगढ़	05:25	--
03:00	03:02	मानिकपुर	17:00	17:02
05:10	05:20	प्रयागराज छिंवकी	14:15	14:25
06:23	06:25	मिर्जापुर	12:18	12:20
07:10	07:12	चुनार	11:50	11:52
10:00	--	वाराणसी	--	10:50

गाड़ी सं. **08251** रायगढ़ जं. से शनिवार, दिनांक **25.01.2025** को एवं गाड़ी सं. **08252** वाराणसी से सोमवार, दिनांक **27.01.2025** को चलेगी।

अन्य ठहराव: उपरोक्त स्टेशनों के अतिरिक्त यह गाड़ी **चाँपा जं.**, **बिलासपुर**, **पेन्ड्रा रोड**, **अनूपपुर**, **शहडोल**, **उमरिया**, **कटनी**, **मैहर** तथा **सतना** पर भी रूकेगी।

संरचनाः सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-14, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01

(2) गाड़ी सं. 08791/08792 (दुर्ग-वाराणसी-दुर्ग) विशेष रेलगाड़ी

08791 दुर्ग-वाराणसी		स्टेशन	08792 वाराणसी-दुर्ग	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:50	दुर्ग	05:30	--
03:00	03:02	मानिकपुर	17:00	17:02
05:10	05:20	प्रयागराज छिंवकी	14:15	14:25
06:23	06:25	मिर्जापुर	12:18	12:20
07:10	07:12	चुनार	11:50	11:52
10:00	--	वाराणसी	--	10:50

गाड़ी सं. **08791** दुर्ग से शनिवार, दिनांक **08.02.2025** को एवं गाड़ी सं. **08792** वाराणसी से सोमवार, दिनांक **10.02.2025** को चलेगी।

अन्य ठहराव: उपरोक्त स्टेशनों के अतिरिक्त यह गाड़ी **रायपुर**, **भाटापारा**, **उस्लापुर**, **पेन्ड्रा रोड**, **अनूपपुर**, **शहडोल**, **उमरिया**, **कटनी**, **मैहर** और **सतना** पर भी रूकेगी।

संरचनाः सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-14, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01

(3) गाड़ी सं. 08253/08254 (बिलासपुर-वाराणसी-बिलासपुर) विशेष रेलगाड़ी

08253 बिलासपुर-वाराणसी		स्टेशन	08254 वाराणसी-बिलासपुर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:15	बिलासपुर	--	10:40
03:00	03:02	मानिकपुर	17:00	17:02
05:10	05:20	प्रयागराज छिंवकी	14:15	14:25
06:23	06:25	मिर्जापुर	12:18	12:20
07:10	07:12	चुनार	11:50	11:52
10:00	--	वाराणसी	--	10:50

गाड़ी सं. **08253** बिलासपुर से शनिवार, दिनांक **22.02.2025** को एवं गाड़ी सं. **08254** वाराणसी से सोमवार, दिनांक **24.02.2025** को चलेगी।

अन्य ठहराव: उपरोक्त स्टेशनों के अतिरिक्त यह गाड़ी **रायपुर**, **दुर्ग**, **राजनांदगांव**, **गोंदिया**, **बालाघाट**, **नैनपुर**, **जबलपुर**, **कटनी**, **मैहर** एवं **सतना** पर भी रूकेगी।

संरचनाः सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-14, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं. 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2113/24 FA